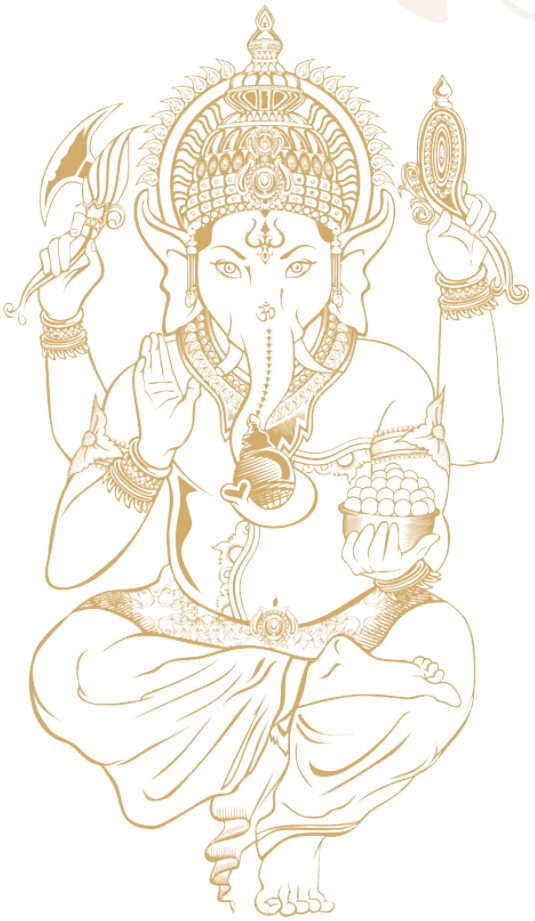

Ms

01 Jan 1999

09:45 PM

Rewa

Model: web-freekundliweb

Order No: 121139907

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**01/01/1999**
दिन	शुक्रवार
जन्म समय	**21:45:00 घंटे**
इष्ट	37:19:59 घटी
स्थान	**Rewa**
राज्य	Madhya Pradesh
देश	India

अक्षांश	24:32:00 उत्तर
रेखांश	81:18:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:04:48 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	21:40:12 घंटे
वेलान्तर	-00:03:19 घंटे
साम्पातिक काल	04:23:42 घंटे
सूर्योदय	06:49:00 घंटे
सूर्यास्त	17:27:27 घंटे
दिनमान	10:38:28 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	16:57:19 धनु
लग्न के अंश	14:20:36 सिंह

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	सिंह - सूर्य
राशि-स्वामी	**मिथुन - बुध**
नक्षत्र-चरण	**आर्द्रा - 2**
नक्षत्र स्वामी	राहु
योग	ब्रह्म
करण	बव
गण	मनुष्य
योनि	श्वान
नाड़ी	आद्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मार्जार
युँजा	मध्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	घ-घटी
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मकर

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			सिंह	14:20:36	324:30:08	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	---
सूर्य			धनु	16:57:19	01:01:08	पूर्वाषाढ़ा	2	20	गुरु	शुक्र	चंद्र	मित्र राशि
चंद्र			मिथु	11:01:18	14:32:26	आर्द्रा	2	6	बुध	राहु	शनि	मित्र राशि
मंगल			कन्या	24:52:36	00:29:36	चित्रा	1	14	बुध	मंगल	राहु	शत्रु राशि
बुध			वृश्चि	28:22:40	01:24:18	ज्येष्ठा	4	18	मंगल	बुध	शनि	सम राशि
गुरु			कुंभ	28:11:59	00:08:53	पू०भाद्रपद	3	25	शनि	गुरु	शुक्र	सम राशि
शुक्र			मक	02:23:28	01:15:12	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	गुरु	मित्र राशि
शनि			मेष	02:56:09	00:00:20	अश्विनी	1	1	मंगल	केतु	शुक्र	नीच राशि
राहु	व		कर्क	28:56:54	00:06:22	आश्लेषा	4	9	चंद्र	बुध	शनि	शत्रु राशि
केतु	व		मक	28:56:54	00:06:22	धनिष्ठा	2	23	शनि	मंगल	शनि	शत्रु राशि
हर्ष			मक	17:09:08	00:03:08	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	शनि	---
नेप			मक	07:14:34	00:02:10	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	केतु	---
प्लूटो			वृश्चि	15:17:51	00:02:04	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	गुरु	---
दशम भाव			वृष	13:51:59	--	रोहिणी	--	4	शुक्र	चंद्र	राहु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:50:25

लग्न-चलित

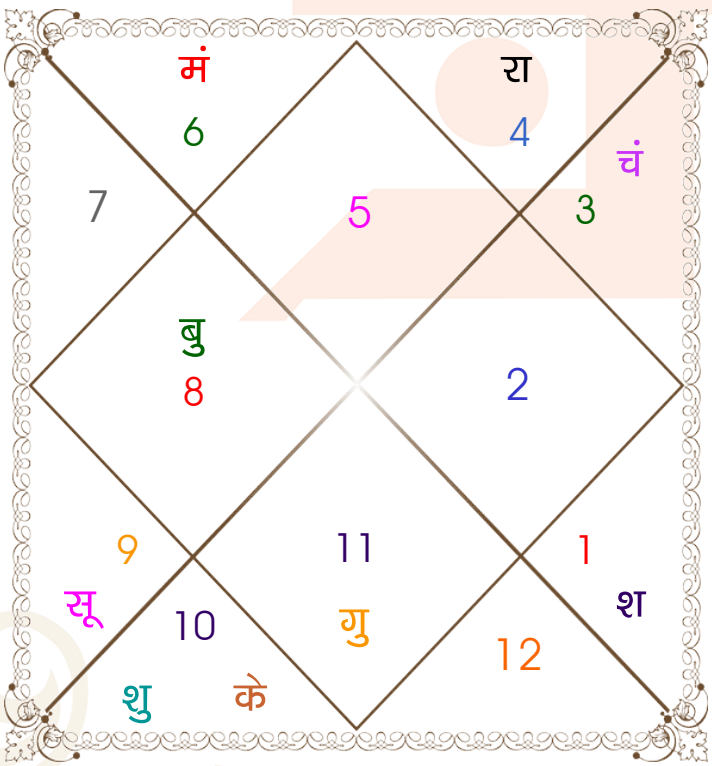

चन्द्र कुंडली

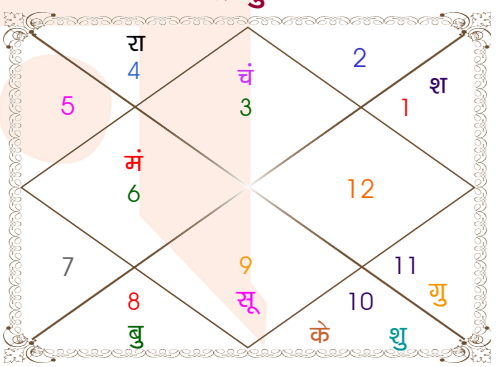

नवमांश कुंडली

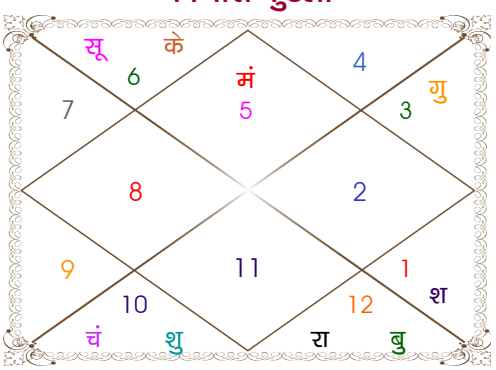

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : राहु 12 वर्ष 1 मास 13 दिन

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
01/01/1999		14/02/2011		14/02/2027		14/02/2046		14/02/2063	
14/02/2011		14/02/2027		14/02/2046		14/02/2063		14/02/2070	
	00/00/0000	गुरु	04/04/2013	शनि	17/02/2030	बुध	13/07/2048	केतु	14/07/2063
	01/01/1999	शनि	16/10/2015	बुध	27/10/2032	केतु	10/07/2049	शुक्र	12/09/2064
शनि	27/01/2001	बुध	21/01/2018	केतु	06/12/2033	शुक्र	10/05/2052	सूर्य	18/01/2065
बुध	16/08/2003	केतु	28/12/2018	शुक्र	05/02/2037	सूर्य	16/03/2053	चंद्र	19/08/2065
केतु	03/09/2004	शुक्र	28/08/2021	सूर्य	18/01/2038	चंद्र	16/08/2054	मंगल	15/01/2066
शुक्र	03/09/2007	सूर्य	16/06/2022	चंद्र	19/08/2039	मंगल	13/08/2055	राहु	02/02/2067
सूर्य	28/07/2008	चंद्र	16/10/2023	मंगल	27/09/2040	राहु	01/03/2058	गुरु	09/01/2068
चंद्र	27/01/2010	मंगल	21/09/2024	राहु	04/08/2043	गुरु	06/06/2060	शनि	17/02/2069
मंगल	14/02/2011	राहु	14/02/2027	गुरु	14/02/2046	शनि	14/02/2063	बुध	14/02/2070

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
14/02/2070		14/02/2090		15/02/2096		15/02/2106		15/02/2113	
14/02/2090		15/02/2096		15/02/2106		15/02/2113		00/00/0000	
शुक्र	16/06/2073	सूर्य	04/06/2090	चंद्र	15/12/2096	मंगल	14/07/2106	राहु	29/10/2115
सूर्य	16/06/2074	चंद्र	03/12/2090	मंगल	16/07/2097	राहु	02/08/2107	गुरु	24/03/2118
चंद्र	15/02/2076	मंगल	10/04/2091	राहु	15/01/2099	गुरु	08/07/2108	शनि	02/01/2119
मंगल	16/04/2077	राहु	04/03/2092	गुरु	17/05/2100	शनि	17/08/2109		00/00/0000
राहु	16/04/2080	गुरु	21/12/2092	शनि	16/12/2101	बुध	14/08/2110		00/00/0000
गुरु	16/12/2082	शनि	03/12/2093	बुध	18/05/2103	केतु	10/01/2111		00/00/0000
शनि	14/02/2086	बुध	10/10/2094	केतु	17/12/2103	शुक्र	11/03/2112		00/00/0000
बुध	15/12/2088	केतु	14/02/2095	शुक्र	17/08/2105	सूर्य	17/07/2112		00/00/0000
केतु	14/02/2090	शुक्र	15/02/2096	सूर्य	15/02/2106	चंद्र	15/02/2113		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल राहु 12 वर्ष 1 मा 25 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पूर्वा फाल्गुनी नक्षत्र के प्रथम चरण में सिंह लग्न में हुआ था। सिंह लग्नोदय काल ही सिंह राशि का नवमांश एवं धनु राशि के द्रेष्काण भी मेदिनीय क्षितिज पर उदित था। आपका जन्म प्रभाव यह प्रमाणित कर रहा है कि आपका जीवन सर्वोत्तम प्रकार से व्यतीत होगा। ऐसा तो आपके जीवन का 28 वें वर्ष से आपका समय अच्छे होने लग जाएंगे। आयु के 28 वें वर्ष से 32 वें वर्ष की आयु तक का समय बहुत ही उत्तम एवं अनुकूल होगा।

आपके जीवन का बृहत्तर भाग मखमली अर्थात् ''पांचों उंगुली घी में'' जैसा लाभजनक रहेगा। इस समय आपके जीवन के सभी आवश्यक पक्ष संतोषजनक रहेंगे। आपके लिए सौभाग्य प्रदान करने वाला ऐसा समय हस्तगत होगा कि आप मिट्टी छूओ तो सोना बन जाएगा और आप जिस कार्य को हस्तगत कर लोगी उसी में सफल हो जाओगी।

आप इस बात को अच्छी प्रकार जानती हैं कि लोगों के साथ धन संपत्ति का लेन-देन अर्थात् आदान प्रदान कैसे करेंगी। आपमें यह सामार्थ्य निहित है कि लोगों को अपने पक्ष में लेकर, दूसरों पर किस प्रकार प्रशासन करेंगी। आप किस प्रकार लोगों से सहयोग प्राप्त कर प्रचूर मात्रा में लाभान्वित होंगी तथा आपका कार्य व्यवधान रहित होकर प्रगति करेगा। जब आप किसी को वस्तु उधार दे देती हैं और कोइ समस्या उत्पन्न हो जाती है। आप धैर्यपूर्वक संपर्क स्थापित कर समस्या का समाधान कर उस धन या वस्तु को प्राप्त कर लेती हैं।

आप में एक अन्य प्रकार की भव्य क्षमता विद्यमान हैं। वह यह है कि आप यह जानती हैं कि आप अपने से उच्च अधिकारी को किस प्रकार प्रभावित करेंगी तथा सर्वोच्च अधिकारी से संपर्क अर्थात् सानिध्यता प्राप्त कर लेती हैं। परिणाम स्वरूप आप लाभप्रद, अधिकारपूर्ण पद प्रतिष्ठा प्राप्त कर लेंगी। यथा कंपनी का प्रबंधक, अथवा किसी भी निगम और परिषद का निर्देशक पद आदि। आप निश्चित समय पर ऐसी युक्ति पूर्ण चाल को अच्छी प्रकार अपने अधिकारी के पास प्रस्तुत कर देंगी। ताकि आप की चाल सफल हो जाती है। आप में एक अच्छे नेता के गुण विद्यमान है।

आप अनेक कलाओं की ज्ञाता एवं सक्षम हैं। आप किसी भी समस्या का समाधान निकाल लेने में तथा किसी भी विरोधात्मक परिस्थिति को पार कर लेने में सक्षम है तथा विरोधियों को परास्त कर सकती हैं। आप अपने किसी भी शत्रुओं के साथ संघर्ष करके विजय श्री प्राप्त करेंगे।

आपकी प्रभावशाली उपस्थिति हाव-भाव तथा आकर्षण विपरीत योनि के प्राणी के साथ रहेगा। जिस प्रकार चुंबक अपने आकर्षण शक्ति का प्रभाव लौह पर दिखाता है। उसी प्रकार आपके आकर्षण से पुरुष वशीभूत हो जाया करेंगे। आपकी इस प्रकार की प्रवृति से आपका समय आनंददायक प्रतीत होता है। परंतु इस प्रकार की प्रवृत्ति तथा कार्य कलाप से आपका पारिवारिक जीवन बाधित हो सकता है। आपके पास पति बच्चे एवं आनंददायक भवन का सुख उपलब्ध हो सकता है। अस्तु निरंतर इस पथ पर नहीं चलें। आपके साथ ऐसी समस्या जुडी है कि आप पूर्णरूपेण विश्राम नहीं कर पाती । उत्तम स्वास्थ्य के लिए आपको सतर्क रहना चाहिए।

आप सदैव अनेक प्रकार के कार्यक्रमों में सम्मिलित होने के लिए एक साथ प्रस्थान करती हैं। आपके द्वारा घोर परिश्रम किए जाने से स्नायुविक शक्तियां बुरी तरह पूर्ण रूपेण प्रभावित हो रही हैं। इस प्रकार कुछ समय वर्षों के पश्चात् आपको ह्रदय से संबंधित समस्याएं, गांठ-गांठ में तथा रीढ़ की हड्डियों में दर्द, रक्तचाप रोगादि से कष्ट समस्याएं उत्पन्न हो सकती है। अस्तु विश्राम भी ग्रहण किया करें।

आप सदैव अपनी एवं अपने परिवार की प्रतिष्ठा के प्रति सतर्क रहती हैं। चाहे कुछ भी हो जाए आप इस बात के लिए किसी भी परिस्थिति में कोई भी समझौता करने को तैयार नहीं हो सकती हैं।

आपके लिए उपयुक्त कार्यव्यवसायों में राजकीय केंद्रीय सरकार की सेवा के अतिरिक्त ट्रांसपोर्ट व्यवसाय, होटल उद्योग अथवा फोटोग्राफी व्यवसाय आदि अनुकूल है।

आपके लिए नारंगी रंग, लाल एवं हरा रंग अनुकूल है। परंतु नीला, सफेद एवं काला रंग त्यागनीय है।

आपके लिए अंक 1, 4, 5, 6 एवं 9 अंक भाग्यशाली अंक है, परंतु आपके लिए अंक 2, 7 एवं 8 अंक सर्वथा प्रतिकूल है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार, और गुरुवार का दिन किसी भी बड़े कार्यों को प्रारंभ करने के लिए उपयुक्त एवं ठीक है। परंतु बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके नये कार्य-कलाप के प्रारंभ करने हेतु अनुपयुक्त हैं। कृपया इन तीन दिनों को अव्यवहारणीय समझे। सोमवार आप के लिए मध्य फलदायक है।